

Shri V. P. Nayar: In answer to part (b) of the question, the hon. minister said that information is being collected. Am I to understand that at present there is no arrangement by which accidents are reported to some central organisation as and when they occur?

The Deputy Minister of Railways and Transport (Shri Alagesan): This information is with the Railways. They have not been able to send it in time. We are expecting that information and it can be placed on the Table of the House.

Shri V. P. Nayar: Unfortunately that is not the question. He says....

Mr. Speaker: The hon. Member wanted to know whether there is a central organisation at which all this information comes in so that it can be readily available.

Shri V. P. Nayar: So that such answers can be avoided in future.

Shri Alagesan: This is with respect to the period 1st January to 30th June. We have not had information so far.

Warehouses

*377. **Shri Jethalal Joshi:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether Government propose to construct warehouses in every village to store foodgrains;

(b) If so, how many warehouses will be constructed by the end of 1956; and

(c) the total expenditure proposed to be incurred on this account?

The Minister of Agriculture (Dr. P. S. Deshmukh): (a) It is not intended to construct warehouses at every village, but the objective is to have warehouses and godowns at all important points of trade.

(b) and (c). The proposals are at present in a formative stage.

Shri Jethalal Joshi: Will the Government encourage private persons to construct warehouses in case the Government finds it unable to do so?

Dr. P. S. Deshmukh: I do not see any reason why we should not encourage it provided the proposal and the scheme are in consonance with our ideas and policy.

Shri Jethalal Joshi: May I know how many of the store-houses are at present Government-owned, and how many are taken on hire?

Dr. P. S. Deshmukh: It is difficult to reply to this question because I do not know if the hon. Member wants only the Government of India's store-houses. The information is not available with me at the moment.

Shri T. S. A. Chettiar: As this matter is connected with rural banking, when does Government propose to introduce the Bill which they promised to introduce?

Dr. P. S. Deshmukh: Very shortly. Within a week or two.

सरदार ए० एस० सहगल : क्या मैं जान सकता हूँ कि जिस वक्त फूड कंट्रोल आर्डर था उस वक्त तमाम स्टेट्स में बेयर हाउस बनाये गये थे, क्या वे तमाम बेयर हाउस केंद्रीय सरकार के कब्जे में हैं या प्रांतीय सरकारों के कब्जे में ?

डा० पी० एस० बेशमुख : जो हमारे अपने बेयर हाउस थे वे हमारे पास हैं। और भी काफी गोडाउंस हमारे पास हैं हमारे पास गल्ला इतना ज्यादा है कि उसको रखने के लिये हमारे पास जगह नहीं है।

Shri N. B. Chowdhury: May I know whether the proposed constructions will be by the Government themselves, or the work would be entrusted to the proposed Warehousing Board?

Dr. P. S. Deshmukh: I would like my hon. friend to await the introduction of the Bill.

वन आयोग

*३७६. **श्री भागवत लाल आजाद :** क्या साथ और कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार एक वन आयोग स्थापित करने का विचार कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो इस आयोग को कौन से काम के सौंपे जाने की सम्भावना है ?

कृषि मंत्री (डा० पी० एस० बेशमुख) : (क) सरकार एक वन आयोग स्थापित करने के प्रश्न पर विचार कर रही है।

(ख) स्थापित हो जाने पर स तबन है कि आयोग नीचे दिखलाये हुये काम के काम करे।

- (१) कार्य प्रणाली की प्रधान योजनाओं और निर्धारित रीति में फेरफार की सूक्ष्म परीक्षा करना ।
- (२) वन सम्बन्धी आंकड़ों और समाचार का संग्रह कर के उन्हें नियमित रूप देना और पूरे समय पर प्रकाशित करना ।
- (३) मंडियों में खरीदी बिन्नी और दूसरी हालतों का अध्ययन करना ।
- (४) राज्यों और विदेशों से प्राप्त टेक्निकल जानकारी को एकत्रित करके उस का प्रसारण करना ।

संभव है कि वन सम्बन्धी बातों को लोकप्रिय बनाने के लिये आयोग विस्तार कार्य भी हाथ में ले ।

श्री भागवत झा आजाद : क्या विभिन्न राज्यों ने इस सम्बन्ध में अपनी कोई सम्मति केन्द्रीय सरकार के पास भेजी है ?

डा० पी० एस० बेशमुख : हमने एक फारेस्ट बोर्ड की मीटिंग बुलाई थी और वहाँ पर मालूम हुआ कि सभी इसके पक्ष में हैं ।

श्री भागवत झा आजाद : चूँकि समस्त हिन्दुस्तान में जंगलों और जंगलों से उत्पन्न विभिन्न चीजों का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हो रहा है, तो क्या यह आयोग इस बारे में भी सिफारिशें करेगा कि इन सम्पत्तियों को बचाने के लिये क्या उपाय सरकार करे ?

डा० पी० एस० बेशमुख : मैंने काफी तफ़्सील में इस आयोग के बनाने के उद्देश्यों को बतलाया है । इन उद्देश्यों को देख कर मैं समझता हूँ सदस्य महोदय क्या कर सकते हैं जो बात उन्होंने कही है, वह इस में धा सकती है या नहीं ।

श्री भागवत झा आजाद : क्या सरकार यह बता सकती है कि चूँकि समस्त हिन्दुस्तान में जंगलों और जंगलों से पैदा होने वाली सम्पत्तियों का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हो रहा है, इसलिये आयोग से एक निश्चित समय से पहले अपनी रिपोर्ट देने को कहा जाये ?

डा० पी० एस० बेशमुख : यह बात जो माननीय सदस्य ने बतलाई है उस को हल करने के लिये कमीशन की आवश्यकता नहीं है । इस में हम दिल-चस्पी ले रहे हैं और इस पर गौर भी कर रहे हैं ।

श्री भक्त दर्शन : क्या यह सत्य नहीं है कि जो कार्य इस आयोग को सौंपे जाने हैं, जिन के बारे में कि अभी माननीय मंत्री जी ने बतलाया, यह कार्य अभी भी वन विभाग द्वारा किये जा रहे हैं ?

डा० पी० एस० बेशमुख : जी नहीं, उतने पैमाने पर नहीं जितने पैमाने पर कि हम चाहते हैं । साथ ही हमारे पास काफी स्टाफ भी नहीं है । सूक्ष्म परीक्षा, जैसा कि अभी बताया गया है, करने के लिये फिलहाल बन्दोबस्त नहीं है ।

Fishing Craft Training

*380. **Shri V. P. Nayar:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to open a training school for imparting training to fishermen in the handling of fishing craft worked by engines;

(b) if so, where the training institution will be located; and

(c) how many persons will be trained there every year ?

The Minister of Agriculture (Dr. P. S. Deshmukh): (a) Yes, Sir.

(b) Satpati (Bombay), Tuticorin (Madras) and Cochin (Travancore-Cochin).

(c) 120.

Shri V. P. Nayar: May I know whether this number has been fixed with reference to the possible number of people